

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2013

पी.जी.डी.टी.-03 : व्यावहारिक अनुवाद के विविध
स्तर और क्षेत्र

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. आशु अनुवाद से क्या तात्पर्य हैं? इसकी आवश्यकता कहाँ-कहाँ पड़ती है, विस्तृत चर्चा कीजिए। 20
2. (a) निम्नलिखित वाक्यों का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए। 10
 - (i) पुरस्कृत कृति 'प्रभासक कथा' सत्ताईस कहानियों का संग्रह है, जो बिहार की शहरी और ग्रामीण जिन्दगी के प्रामाणिक चित्रण है।
 - (ii) श्री प्रभास कुमार चौधरी का जन्म बिहार के दरभंगा जिले के पिण्डारुच गाँव में हुआ। उनके पिता एक कवि थे।
 - (iii) भारतीय ज्ञानपीठ साहित्यिक पुरस्कार निःसन्देह भारतीय लेखकों को प्राप्त होने वाला सर्वोत्तम सम्मान है।
 - (iv) शिवप्रसाद सिंह के अब तक छह कहानी-संग्रह, पाँच उपन्यास, पाँच निबन्ध संग्रह, चार समालोचनात्मक कृतियाँ और दो शोध-ग्रन्थ प्रकाशित हो चुके हैं।

(v) नीला चाँद उपन्यास में दो साम्राज्यों के संघर्ष की रोमांचक गाथा है। इसमें धर्म, समाज, इतिहास, संस्कृति और दर्शन की सूक्ष्म व्याख्या है।

(b) निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 10

(i) All human beings have a right to fulfill their fundamental requirements irrespective of their economic status, level of productivity and geographical position.

(ii) Target of economical strategy should not be restricted to increase of GNP (Group National Productivity) but also increase of avenues of employment.

(iii) The Lure of the uniform seems to be losing its charm even in uttarakhand. Which houses the Indian Military Academy and regimental centres for two of the Indian Army's most prestigious infantaries.

(iv) Despite a difficult economic environment we have constantly performed in all parameters in the recent past and hope to maintain the momentum.

(v) Where we honestly ask ourselves which person in our lives means the most to us, we often find that it is those who, instead of giving advice or solutions, have chosen rather to share our pain.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

- (a) Homoeopathy is, indeed, an emerging trend now. People are turning to homoeopathy with trust. So, to prescribe a homeopathic medicine, a physician has to know not only the dynamics of the disease but also should have an in-depth understanding of the patient's nature, his lifestyle, emotions and habits.

3x15=45

Homoeopathy believes that each human being is different and the same diseases in two different people shows different symptoms like two persons having headache one on the right and other on the left. Medicines for both them will be different, the headache of one person is better by pressure and that of the other gets aggravated even by touch. Therefore, to know each patient correctly and choose the right medicine for them.

Homoeopathy has come a long way since it was first established 200 years ago as an effective form of healing. It has also gained from the fact that there are many people today who prefer not to take allopathic medicines because of various side effects and strong doses that upset the body's equilibrium not to mention the fact that they are expensive. Homeopathic medicines are cheaper in comparison and don't have any side effects. They are safe and easy to use, which makes homoeopathy more popular among the masses.

Therefore, a Homoeopathy doctor or physician takes long session getting into the minute details of the patient from medical

history to temperament to family background to diet preferences and emotional state.

- (b) Hurricane Sandy, the dreaded superstorm, gathered strength on Monday, as it advanced towards the US East Coast, with an expectation of hitting New Jersey by night.

Authorities across several metropolises along the densely-populated East Coast, including New York, Washington, Philadelphia and Boston, mounted emergency measures on a war footing for what has been predicted to be a storm of epic proportions.

Massive evacuations were on in full swing across the coast following the National Hurricane Centre's warnings of "life-threatening storm surges" and extensive flooding. In New York alone, over 370,000 people were ordered to vacate their low-lying habitations.

Over 8,000 flights were cancelled and metro transit systems were shut down. In the capital, federal government offices and schools and colleges were all closed. In New York, the Stock Exchange had its first weather-related closure in 27 years.

The hurricane, with some 60 million in its path of nearly 1,000-mile width, was expected to dump up to one foot of water over large areas across the East Coast.

- (c) Bukharin had not only interpreted sociology with Marxian approach, he had also created a sociology of art in his book. Gramsci, while reviewing Bukharin's ideas

regarding language and relationship between form and content, has also criticised his sociology of art. According to Gramsci Bukharin's interpretation of Goethe is superficial. He points out that this book does not prove that Bukharin is unaware of the history of Goethe's work, the way the myth of Prometheus has been used in the world literature of bygone ages and its creative use in contemporary literature. Is it possible to evaluate Goethe's work without the knowledge of these facts ? An evaluation is meaningful only when it is automatic and definite. More general statements carry no meaning.

- (d) Indian traditions are neither uniform and unmixed nor devoid of conflicts. In every age there have been clashes not only between traditions and development but between different traditions also. No doubt, in a society with a highly diverse cultural heritage this conflict takes place not for the sake of survival alone but also for dominance. In spite of this, we have a luminous record of the interaction between tradition and new development as well as of the inter mixing of different conflicting traditions

I would like to present before you the viewpoint of Mahatma Gandhi which was spelt by him a few decades ago. As you know he was a really universal person a great man representing the entire world. His 108th birthday was celebrated only two days ago. He has clear perception regarding global economy based on some specific ideals.

- (a) वर्तमान समय में अनुवाद मीडिया की आवश्यकता बन गई है। मीडिया सीमा विहीन है। इसलिए मीडिया को भौगोलिक सीमा को भूलकर अपने पाठकों की भाषा में समाचारों को प्रस्तुत करना होता है। विश्व और भारत में भाषाई विविधता के कारण यह प्रस्तुततिकरण मात्र अनुवाद से संभव है। सामान्यतः देश विदेश के समाचार वहां के समाचार एजेंसियों द्वारा उस देश की अपनी मूल भाषा में विश्व के अन्य देशों के समाचार पत्रों में प्रकाशनार्थ भेजे जाते हैं। विदेशी भाषा में प्राप्त इन समाचारों को अनुदित करके प्रत्येक देश के समाचार पत्र इसे अपनी भाषा या भाषाओं में प्रकाशित करते हैं।

पत्रकारिता और अनुवाद का अंतरसंबंध बहुत घनिष्ट और नजदीकी है। विश्व पटल और भारत में भाषाई विविधता होने के नाते पत्रकारिता में समाचार की सत्यता के लिए अनुवाद का सहारा लेना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। खासकर हिंदी पत्रकारिता के संदर्भ में “सभी हिंदी में प्रकाशित होनेवाले अखबारों को अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य के निरन्तर अद्यतन और सही ढंग से अंकन के लिए अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद की सहायता लेनी ही होती है।”

वर्तमान समय तकनीक और प्रौद्योगिकी का समय होने के नाते संचार माध्यमों में काफी बदलाव आया है। पत्रकारिता का चेहरा पूर्ण रूप से बदल गया है। इंटरनेट के माध्यम से आम जनता प्रत्येक समाचार को बहुत ही जल्दी जान रही है। ब्लॉग, सोशल नेटवर्किंग और ई-

पेपर के माध्यम से पत्रकारिता का विस्तार हुआ है। ये सारे विस्तार और बदलाव सकारात्मक है किन्तु सत्यता और प्रामाणिकता के लिए भारतीय भाषाओं में प्रकाशित होने वाले अखबारों को अंग्रेजी तथा अन्य भाषाओं के अखबारों की सहायता लेनी पड़ती है।

- (b) ट्रिनीडाड में पहुंचे भारतीय, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से थे। वे गोरे बागान मालिकों द्वारा गन्ने की खेती के लिए शर्तबंदी श्रमिकों के रूप में लाए गए थे। इन बंधक मजदूरों की भाषा अंग्रेजी थी। अतः प्रारंभ में वे भारतीय भाषाओं के शब्दों के सहारे ही अपने मालिकों से बात कर सके थे। लेकिन बाद में दूसरी-तीसरी पीढ़ी तक मातृभाषा अंग्रेजी हो जाने पर भी इन्होंने अपनी भोजपुरी-अवधी जो उनकी हिंदी का आधार रही, भले ही बातचीत के माध्यम के रूप में उन्हे काम नहीं देती हो, परंतु अपनी संस्कृति तथा अस्मिता की पहचान के रूप में उसका महत्व अक्षुण्ण रखा।

सन् 1986 ई. से ट्रिनीडाड में 'हिंदी निधि' नामक संस्था चंका सीताराम के नेतृत्व में हिंदी के पठन-पाठन का कार्य बड़े समर्पण भाव से करती चली आ रही है। यह संस्था ट्रिनीडाड के स्कुलों में स्पेनिश, फ्रेंच व लैटिन की भांति हिंदी को भी वैकल्पिक स्थान दिलाने में प्रयत्नशील रही और उसे एक हद तक कामयाबी भी हासिल हुई है। 'हिंदी निधि' ने 'हिंदी परिचय' एवं 'विदेशी हिंदी प्राइमर' भी प्रकाशित करवाए।

हिंदी के व्यापक प्रचार-प्रसार को दृष्टि में रखते हुए 'हिंदी निधि' ने अनेक संगोष्ठियां चलाई, जिनमें 1992 में आयोजित 'प्रथम अंतर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन' सफल रहा। इस सम्मेलन की सफलता से प्रेरित होकर उन्होंने भारतवंशियों के आगमन के 150 वें वर्ष पर पंचम विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया।
